

महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर निदेशक कृषि उत्पादन मंडी परिषद जितेंद्र प्रताप सिंह ने किया माल्यार्पण,
नवनियुक्त मंडी सचिवों से किया संवाद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की किसान हितैषी मंशा को धरातल पर उतारने में
जुटा मंडी परिषद

किसानों की सुविधा को दी जाए सर्वोच्च प्राथमिकता

किसानों और आढ़तियों से नियमित संवाद के निर्देश

नवनियुक्त मंडी सचिवों की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए दी जाएगी विशेष ट्रेनिंग

किसानों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण और मंडी व्यवस्था में पारदर्शिता पर
दिया जोर

लखनऊ : 02 अक्टूबर, 2026

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर गोमती नगर स्थित राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में निदेशक मंडी परिषद श्री जितेंद्र प्रताप सिंह ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर निदेशक राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद ने कहा कि गांधी जी ने सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाया, वहीं लाल बहादुर शास्त्री जी ने सादगी, ईमानदारी और देशभक्ति की मिसाल कायम की। दोनों महान विभूतियों का जीवन और आदर्श आज भी प्रासंगिक हैं।

इस अवसर पर श्री जितेंद्र प्रताप सिंह ने नवनियुक्त मंडी सचिवों से संवाद किया और मंडी व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ ही किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संदेश दिया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की किसान हितैषी नीतियों और पारदर्शी प्रशासन की मंशा के अनुरूप राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद द्वारा मंडी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं किसान-केंद्रित बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

निदेशक ने बताया कि प्रदेश में मंडी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं किसान हितैषी बनाने के उद्देश्य से नवनियुक्त मंडी सचिवों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान मंडी सचिवों को मंडी संचालन, विभागीय कार्यप्रणाली, किसानों से संबंधित समस्याओं

के त्वरित समाधान, राजस्व एवं अन्य प्रक्रियाओं के साथ-साथ मंडी व्यवस्थाओं के प्रभावी संचालन की जानकारी दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल विभागीय प्रक्रियाओं से अधिकारियों को परिचित कराना नहीं, बल्कि उन्हें किसान-केंद्रित प्रशासन के अनुरूप कार्य करने के लिए तैयार करना भी है। मंडी सचिवों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ करने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

निदेशक राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद ने कहा कि मंडियां किसानों के लिए केवल कृषि उपज की बिक्री का केंद्र नहीं हैं, बल्कि किसानों को बेहतर सुविधाएं और उचित वातावरण उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने मंडी सचिवों को निर्देशित किया कि मंडियों में आने वाले किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मंडी परिसर में साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश, पार्किंग सहित आवश्यक सुविधाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने किसानों की शिकायतों और समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण करने तथा मंडी व्यवस्था से जुड़े प्रत्येक कार्य में पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया।

श्री जितेंद्र प्रताप सिंह ने मंडी सचिवों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में किसानों और आढ़तियों से नियमित संवाद स्थापित करें। मंडी व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं की जानकारी लेकर उनका समयबद्ध समाधान कराया जाए। कृषि उपज की खरीद-बिक्री से संबंधित व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी की जाए, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का जोर किसान हितों की रक्षा के साथ-साथ सरकारी व्यवस्थाओं को अधिक जवाबदेह और पारदर्शी बनाने पर है। मंडी सचिव इस व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं, इसलिए उन्हें अपने दायित्वों को पूरी गंभीरता से निभाना होगा।

प्रशिक्षण में विशेष रूप से ऐसे किसानों की समस्याओं पर ध्यान देने के लिए मंडी सचिवों को तैयार किया जाएगा, जो किसी कारणवश आर्थिक अथवा अन्य कठिनाइयों से प्रभावित हैं। अधिकारियों को पीड़ित एवं जरूरतमंद किसानों के प्रति संवेदनशीलता के साथ कार्य करने तथा उनके हितों के लिए प्रभावी योगदान देने पर जोर दिया जाएगा।

प्रशिक्षण में किसानों की शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण, मंडी व्यवस्थाओं में पारदर्शिता तथा किसानों को शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ दिलाने से जुड़े विषय भी शामिल होंगे। इससे मंडी स्तर पर किसानों की समस्याओं का समाधान अधिक तेजी और प्रभावी तरीके से सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

निदेशक कृषि उत्पादन मंडी परिषद ने कहा कि किसानों को मंडियों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने मंडी सचिवों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की किसान हितैषी मंशा के अनुरूप संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह कार्यप्रणाली अपनाने का संदेश दिया।

निदेशक विपणन श्री टी.के. शीबू ने बताया कि प्रदेश में मंडी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं किसान हितैषी बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मंडियों में किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनकी समस्याओं का समयबद्ध एवं प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मंडी सचिवों की भूमिका किसानों और मंडी प्रशासन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में है। ऐसे में उन्हें अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी संवेदनशीलता, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए। इस अवसर पर मंडी परिषद के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सम्पर्क सूत्र— ख्वाजा अकील अहमद

राम यतन/05:35 PM

फोन नम्बर Direct : 0522-2239023 ई0पी0बी0एक्स0: 0522-2239132,33,34,35 एक्सटेंशन : 223 224 225

फैक्स नं0 : 0522-2237230 0522-2239586 ई-मेल : upssochna@gmail.com,

वेबसाइट : www.information.up.gov.in